


मोहनी बनाम जयदीश व अन्य

अलय

॥ 332/2008 दारा

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
13/9/2021	पत्रावली आज दिनांक <del>13/9/2021</del> को पेश हुई। दि डिस्ट्रिक्ट एड. बार एसो. जयपुर द्वारा कन्वोलेंस की जाने से पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक <del>27/10/2021</del> को पेश हो।	
27-10-21	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी महोदय " <i>अप्य राज शर्मा के चस्त</i> " है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक <del>11/11/2022</del> को पेश हो।	
11-1-2022	पत्रावली पेश हुई। दी डिस्ट्रिक्ट एड बार एसो. जयपुर द्वारा कार्य स्थगित किए जाने से पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक <del>18-2-2022</del> को पेश हो। (प्रतिवादी संख्या 1/2 की दोग से श्री-चंद्रशेखर शर्मा अधिवक्ता ने तत्कालतनाम पेश किया साथ ही शॉप 022 R4 व 9, C.P.L. 151 पेश किया।)	
18/2/22	पत्रावली पेश हुई। दी डिस्ट्रिक्ट एड बार एसो. जयपुर द्वारा कार्य स्थगित किए जाने से पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक <del>4/3/22</del> को पेश हो।	
4/3/2022	पत्रावली पेश हुई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रतिवादी 1/2 द्वारा प्रार्थना पत्र वाद अबैत फरमाने बाबत पूर्वी में पेश की हुई है। शॉप में अंकित किया कि वादीनी को मूल पूर्व में ही चुकी है और वादी या वादी अधिवक्ता द्वारा संशोधित इनका फुका मंग पेश नहीं किया है।	

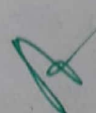
*Handwritten signature and date*  
1/2

फर्द अहकाम  
बनाम जगदीश

गौरी

नाम न्यायालय

केस संख्या 332/2008 फीच

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप में
		<p>अतः वाद 90 दिनों के अंदर हो चुका है अतः अदालत को हेतु विशेष फरमाये।</p> <p>अतः नूनि परिषदा अधिनियम 1963 के तहत नारी की मृत्यु 90 दिनों में 12.9.2008 तक संशोधित डनलान कायम पुकारा पेश किया जाके आवश्यक वा/जो पेश नहीं किया गया अतः वाद अर्बिट किया जाता है। अर्बिट के आदेश पर वाद खारिज किया जाता है।</p> <p>पनाबल) कमल शुभा देवत दारिद्र्य दप्तर है।</p> <p></p> <p>सहायक कलक्टर आमेर मु. जयपुर</p>